आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 117 | उज्जैन, शुक्रवार 21 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

तराना के तिल भांडेश्वर महादेव मन्दिर को प्रदान करेंगे भव्यता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री हुए समारोह में शामिल श्री मोहन भारती बने दशनाम जूना अखाड़ा के महंत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्व में सनातन ही एकमात्र धर्म है, जो प्रकृति को समाहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तराना स्थित तिलभांडेश्वर महादेव मन्दिर में श्री दशनाम जूना अखाड़ा के श्री मोहन भारती महाराज के महंत बनने पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन को समझने के लिये साधु-संतों के जीवन और उनके अनुभवों को समझना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि तिल भांडेश्वर मंदिर को धार्मिक लोक के रूप में विकसित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उज्जैन को धार्मिक-सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार गौ-शालाओं के लिए विशेष प्रावधान कर रही है। सभी गौ-शालाओं में एक गौ-वंश के लिए प्रतिदिन 40 रूपये की अनुदान राशि दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साधु-संत सनातन की धुरी हैं। सनातन धर्म साधु-संतों के मार्गदर्शन में काम करता रहा है। उन्होंने उज्जैन में आयोजित होने जा रहे सिंहस्थ-2028 के लिये साधु-संतों को आमंत्रित करते हुए कहा कि सिंहस्थ के लिये उज्जैन में साधु-संतों को स्थाई प्रकृति के निर्माण की भी स्वीकृति मिलेगी। इससे साधु-संतों को किसी प्रकार की समस्या नहीं आयेगी। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना सुश्री पलक पटवर्धन के निर्देशन में बालिकाओं ने नर्मदा क्षिप्रा स्तुति पर आधारित नृत्य नाटिका की आकर्षक प्रस्तुति दी।

हाइब्रिड युद्ध से निपटने के लिए सैन्य कर्मियों को उचित प्रशिक्षण देना बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए दौर की चुनौतियों एवं संघर्षों से निपटने के तरीकों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि पर मौजूद सैनिकों का कोई विकल्प नहीं है क्योंकि प्रौद्योगिकी केवल मानवीय क्षमताओं की वृद्धि में मददगार हो सकती है, मगर यह इंसान की जगह नहीं ले सकती।

रायसीना डॉयलाग में बोले सीडीएस- भू-राजनीति पर भारत के प्रमुख सम्मेलन रायसीना डॉयलाग में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने पारंपरिक युद्ध के साथ-साथ हाइब्रिड युद्ध से निपटने के लिए सैन्य कर्मियों को उचित प्रशिक्षण देने को देश के लिए एक बड़ी चुनौती बताया।

जनरल चौहान वर्सेज एंड वार्स- नेविगेटिंग हाइब्रिड थिएटर्स विषय पर आयोजित सत्र में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत जैसे बहुसांस्कृतिक, बहुधार्मिक और बहुजातीय देश के लिए गलत सूचना और आंतरिक कलह एक बड़ी चुनौती हो सकती है। उन्होंने तर्क दिया कि गलत सूचना दिमाग की लड़ाई है और यह एक बड़ी चुनौती हो सकती है।

नितिन गडकरी की बड़ी घोषणा, छह महीने में पेट्रोल कारों के दाम पर मिलेंगे इलेक्ट्रिक वाहन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि छह महीने के भीतर देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतें पेट्रोल वाहनों के बराबर हो जाएंगी। 32वें कन्वर्जेंस इंडिया और 10वें स्मार्ट सिटीज इंडिया एक्सपो को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने यह बात कही।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा होने के करीब-उन्होंने कहा कि 212 किलोमीटर लंबे दिल्ली-देहरादून एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य अगले तीन महीनों में पूरा हो जाएगा। साथ ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार की नीति आयात विकल्प, लागत प्रभावशीलता, प्रदूषण मुक्त और स्वदेशी उत्पादन है।

ईवी अपनाने और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर- केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आगे कहा कि भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश को अपने बुनियादी ढांचे क्षेत्र में सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कें बनाकर हम अपनी रसद लागत को कम कर सकते हैं।

सेना को मिलेंगी आधुनिक होवित्जर तोपें, 7000 करोड़ के सौदे को हरी झंडी; पाकिस्तान व चीन सीमा पर होगी तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना को जल्द 307 उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम मिलने जा रहे हैं। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने इनके अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। लगभग 7000 करोड़ रुपये में इनका अधिग्रहण किया जाएगा। सरकार की इस पहल को आर्टिलरी गन निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। चीन और पाकिस्तान सीमा पर इन तोपों की तैनाती से सशस्त्र बलों को महत्वपूर्ण रणनीतिक बढ़त मिलेगी।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं तोपें- ATAGS का निर्माण और डिजाइन स्वदेशी स्तर पर किया जा रहा है। 155 मिमी × 52 कैलिबर की ATAGS को होवित्जर तोप के नाम भी जाना जाता है। इन तोपों का प्रदर्शन स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के सामने भी हो चुका है। ATAGS पहली स्वदेशी रूप से विकसित 155 मिमी की आर्टिलरी गन है। यह तोप अत्याधुनिक तकनीक और बेहतरीन मारक क्षमता से लैस है। इससे न केवल सेना की ताकत में इजाफा होगा बल्कि स्वदेशी हथियारों का शक्ति प्रदर्शन होगा।

लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम तोपों की श्रेणी को होवित्जर कहा जाता है। ATAGS 40 किमी तक मार करने कर सकती है। बड़े कैलिबर की वजह से यह तोप दूर तक मार करने में सक्षम है। ATAGS प्रोजेक्ट की शुरुआत 2013 में किया गया था। इसका उद्देश्य सेना की पूरी तोपों को आधुनिक आर्टिलरी गनों में तब्दील करना था। ATAGS को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने विकसित किया है और निजी कंपनियों के सहयोग से इसका निर्माण किया जाएगा।

किसी राज्य पर थोपी नहीं जाएगी कोई भाषा, NEP विवाद के बीच सरकार ने संसद में किया साफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बुधवार को संसद को बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत स्कूल जाने वाले बच्चों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाओं का चयन राज्यों, क्षेत्रों और छात्रों द्वारा किया जाएगा और किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी। एनईपी द्वारा सुझाया गया त्रि-भाषा फार्मूला विवाद के केंद्र में रहा है, क्योंकि तमिलनाडु ने केंद्र पर हिंदी थोपने का आरोप लगाते हुए इसे लागू करने से इनकार कर दिया है।

केंद्र ने किया तमिलनाडु सरकार के आरोपों का खंडन- हालांकि, केंद्र ने तमिलनाडु के आरोप का खंडन किया है। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में मजूमदार ने कहा कि बच्चों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाएं राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से छात्रों की अपनी पसंद होंगी, बशर्ते कि तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं हों। उन्होंने कहा कि त्रि-भाषा फार्मूले में अधिक लचीलापन होगा और किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी।

स्वीकृत 11,395 आंगनवाड़ी-सह-क्रेच में से 1,761 चालू- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि स्वीकृत 11,395 आंगनवाड़ी-सह-क्रेच में से केवल 1,761 ही चालू हैं। आंगनवाड़ियों में क्रेच की स्थापना की घोषणा 2023 में की गई थी। इन आंगनवाड़ी-सह-क्रेच का उद्देश्य छह महीने से छह साल की आयु के बच्चों की देखभाल में मदद करना है।

इंडिगो की उड़ान के पहले यात्री ने लगाई आपात स्लाइड, मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो के एक यात्री ने बुधवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ान भरने से पहले लेह जाने वाले विमान की आपातकालीन स्लाइड तैनात कर दी। जिससे हड़कंप मच गया। हालांकि यह अनजाने में हुआ था। इंडिगो ने बयान में कहा कि उड़ान संख्या 6ई 5161 में दिल्ली से लेह जाने से पहले अनजाने में ही आपातकालीन स्लाइड तैनात हो गई थी।

आपात स्थिति में ही उपयोग करते हैं स्लाइड- आमतौर पर किसी आपात स्थिति के दौरान यात्रियों को विमान से निकालने के लिए हवा से भरी स्लाइड को तैनात किया जाता है।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला! असम में 10,601 करोड़ रुपये का नया यूरिया प्लांट, बढ़ेगा उत्पादन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने असम के नामरूप में ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कारपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के परिसर में एक नया यूरिया संयंत्र की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

परियोजना की अनुमानित लागत 10,601.40 करोड़ रुपये और क्षमता 12.7 लाख टन वार्षिक उत्पादन की होगी। अधिकतम चार वर्ष में यह कारखाना चालू हो जाएगा।

यूरिया की उत्पादन क्षमता में वृद्धि- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिट ने की बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस कारखाने से पूर्वोत्तर में यूरिया की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। यह बिहार, बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं झारखंड समेत पूर्वोत्तर राज्यों में यूरिया की बढ़ती जरूरतों को पूरा करेगा। उन्होंने बताया कि इस कारखाना के जरिए अतिरिक्त प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर खुलेंगे। इसके साथ ही यूरिया के मामले में देश को आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

प्रस्तावित संयुक्त उद्यम में इक्विटी पैटर्न निम्नानुसार होगा

असम सरकार- 40%

ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल)- 11%

हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल)- 13%

नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल)- 18%

ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल)- 18%

अंतर-मंत्रालयी समिति का गठन

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि संयंत्र की स्थापना प्रक्रिया की देखरेख के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) का गठन किया गया है। इसमें असम सरकार का सबसे ज्यादा 40 प्रतिशत इक्विटी होगी। बीवीएफसीएल की 11 प्रतिशत, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड का 13 प्रतिशत, नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड एवं आयल इंडिया लिमिटेड की 18-18 प्रतिशत होगी।

मुंबई हमलों के गुनहगार तहव्वुर राणा ने प्रत्यर्पण रोकने के लिए लगाई तिकड़म

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर भारत को अपने प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग की है।

अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर विचार कर सकता है। राणा ने इस महीने की शुरुआत में ये याचिका दायर की थी, जिसे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक जस्टिस ने खारिज कर दिया था।

भारत भेजने पर किया जाएगा प्रताड़ित- तहव्वुर राणा ने भारत डिपोर्ट किए जाने से बचने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। राणा ने कोर्ट में याचिका दायर कर ये मांग की थी कि उसके प्रत्यर्पण पर इमरजेंसी स्टे लगा दिया जाए।

उसने अपनी याचिका में कहा था कि अगर उसे भारत भेजा जाता है तो उसे प्रताड़ित किया जाएगा और वो वहां ज्यादा दिनों तक जिंदा नहीं रह पाएगा। हालांकि, उसकी ये याचिका खारिज कर दी गई थी।

राणा ने भारत पर लगाए थे आरोप

मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा ने अपनी याचिका में भारत पर कई आरोप लगाए थे। उसने ह्यूमन राइट्स वॉच 2023 की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा था कि भारत की बीजेपी सरकार धार्मिक अल्पसंख्यकों विशेष रूप से मुस्लिमों के साथ भेदभाव करती है। इसलिए अगर उसे भारत को सौंपा गया तो पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम होने की वजह से उस प्रताड़ित किया जाएगा।

ट्रंप ने किया था भारत को प्रत्यर्पण का ऐलान- इसी साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका का दौरा किया था। उस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा को भारत को सौंपने का एलान किया था। ट्रंप ने कहा था, ÷हमने तहव्वुर राणा को भारत को प्रत्यर्पित करने की मंजूरी दे दी है। अब उसे भारत में कानून के ट्रायल का सामना करना होगा।

ट्रंप प्रशासन ने राणा को भारत को प्रत्यर्पित करन का फैसला तब सुनाया था, जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राणा की याचिका को खारिज कर दिया था। हालांकि, बाद में मुंबई हमले के आरोपी ने एक और याचिका दायर कर दी है।

मुंबई में हुए आतंकी हमले को लेकर साल 2011 में एनआईए ने राणा समेत 9 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। इस चार्जशीट में 26/11 हमले की साजिश रचने और उन्हें अंजाम देने में आरोपी बनाया गया था।

बहन मुख्यमंत्री और बाप पूर्व PM...लंदन में बुरा फंसा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री का भतीजा; दिवालिया घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बेटे हसन नवाज पर लंदन में अंग्रेजी हुकूमत ने एक्शन लेने का फैसला किया है। पाकिस्तान के मौजूद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भतीजे हसन नवाज को साल 2025 का टैक्स डिफोल्टर घोषित किया है। अगले माह से उसके खिलाफ दिवालिया की कार्रवाई शुरू हो सकती है।

10 मिलियन पाउंड है बकाया- लंदन प्रशासन के गैजेट के मुताबिक, हसन नवाज पर लगभग 10 मिलियन पाउंड का आयकर टैक्स बकाया बताया गया है। हसन नवाज पर आरोप लगाया गया है कि वो जानबूझकर टैक्स नहीं चुका रहा है।

बता दें, हसन नवाज की बहन और नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज पाकिस्तान में मुख्यमंत्री हैं। जानकारी के मुताबिक, अगले महीने से हसन नवाज की संपत्ति नीलाम होने की कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

साल 2015-16 से बकाया है टैक्स- लंदन प्रशासन की ओर से आधिकारिक तौर पर इसी महीने जारी की गई सूची में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे और वर्तमान प्रधानमंत्री के भतीजे हसन नवाज का भी नाम शामिल है। आधिकारिक सूचना में जानकारी दी गई है कि साल 2015-2016 से यह टैक्स बकाया है और अब उस पर जुर्माने की राशि लगाकर लगभग 10 मिलियन पाउंड हो गया है।

क्या है मामला- हसन नवाज का नाम पनामा पेपर लीक में भी सामने आया था। हसन नवाज और उसके परिवार पर काले धन से अवैध संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया था। हसन नवाज ने इस आरोप के बाद लंदन की अपनी संपत्ति को अलि रियाज मलिक नाम के एक शख्स को 38 मिलियन पाउंड में बेच दिया था।

समुंदर में चीन होगा बेबस, ड्रैगन के दुश्मन ने भारत को दिया इस स्क्वाड में शामिल होने का न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस लगातार चीन की आक्रामक नीतियों का सामना कर रहा है। इसी को देखते हुए अब फिलीपींस ने भारत को एक ऑफर दिया है। फिलीपींस चाहता है कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ बने नए रणनीतिक गठबंधन स्क्वाड में भारत भी शामिल हो जाए।

इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती धमकियों का मुकाबला करना है। फिलीपींस के सेना प्रमुख जनरल रोमियो एस ब्राउनर ने कहा कि चीन गौरकानूनी और दबाव वाली रणनीति अपनाकर इस इलाके में आर्टिफिशियल आइलैंड बना रहा है और सैन्य अड्डे तैयार कर रहा है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को इस स्क्वाड में शामिल हो जाना चाहिए। पिछले दिनों नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग का आयोजन हुआ था, उस दौरान भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने फिलीपींस के साथ मिलकर इंडो-पैसिफिक में समुद्री सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की। फिलीपींस के सेना प्रमुख ने बताया कि चीन ने दक्षिण चीन सागर में तीन आर्टिफिशियल आइलैंड बनाए हैं।

2024 अब तक का सबसे गर्म साल रहा, टूटा 175 साल का रिकॉर्ड; मौसम वैज्ञानिक ने कहा- बदतर हो सकते हालात

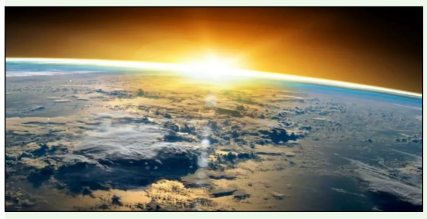

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने मंगलवार को अपनी एनुअल क्लाइमेट स्टेटस रिपोर्ट जारी की। इसमें शुरुआती आंकड़ों की पुष्टि करते हुए संकेत दिया गया कि 2024 अब तक का सबसे गर्म साल रहा। 2024 ने 2023 में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। WMO के अनुसार, 2024 में पहली बार वैश्विक तापमान 1850-1900 में निर्धारित आधार रेखा से 1.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसने पिछले 175 साल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

10 सालों में हीटवेव से हालात खराब - जबकि इससे पहले की रिपोर्ट में 2014 से 2023 का समय सबसे गर्म दशक के रूप में रिकॉर्ड किया गया था। इन 10 सालों में हीटवेव ने महासागरों को प्रभावित किया। साथ ही ग्लेशियरों को रिकॉर्ड बर्फ का नुकसान हुआ।

2024 में चक्रवात, बाढ़, सूखा और अन्य आपदाओं ने 2008 के बाद से सबसे अधिक लोगों को विस्थापित किया, ऐसे में 36 मिलियन लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

अमेरिका में भारतीय मुस्लिम छात्र गिरफ्तार, लगे संगीन इल्जाम; VISA भी रद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में पोस्टडॉक्टरल फेलो के रूप में नामांकित एक भारतीय नागरिक को संघीय आव्रजन अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया है। छात्र को अमेरिका के विरोध में हमास का समर्थन करने के आरोप में अधिकारियों ने हिरासत में लिया है।

बदर खान सूरी, एडमंड ए वाल्श स्कूल ऑफ फॉरेन सर्विस, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन डीसी में अलवलीद बिन तलाल सेंटर फॉर मुस्लिम-क्रिस्चियन अंडरस्टैंडिंग में पोस्टडॉक्टरल फेलो हैं। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में रिसर्चर्स सूरी को सोमवार रात वर्जीनिया में उनके घर के बाहर फेडरल एजेंट्स के जरिए गिरफ्तार कर लिया गया है।

लगे संगीन आरोप- बदर खान को बताया गया कि उनका वीजा रद किया जा रहा है। उनपर सरकार ने इजरायल के प्रति अमेरिकी विदेश नीति का विरोध करने का आरोप लगाया है।

सूरी की शादी एक अमेरिकन सिटिजन से हुई है। उनके वकील के अनुसार, वह इमिग्रेशन कोर्ट में तारीख का इंतजार कर रहे हैं।

विदेश मंत्री ने भारतीय नागरिक को लेकर क्या कहा- रिपोर्ट के मुताबिक, 2009 से अब तक कुल 15,952 भारतीयों को अमेरिका की ओर से निर्वासित किया गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि भारत सरकार उन 295 लोगों की राष्ट्रीयता की जांच कर रही है, जो अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत में हैं।

लगता है भारत टैरिफ कम करेगा, नहीं तो..., डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, उन्हें उम्मीद है भारत जल्द ही अमेरिकी वस्तुओं पर लगाए गए टैरिफ में कटौती करेगा। इसके साथ ही उन्होंने फिर दोहराया अमेरिका 2 अप्रैल से भारत पर टैरिफ लगाएगा। अमेरिका समाचार वेबसाइट को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि उनके भारत के साथ अच्छे संबंध हैं।

उन्होंने आगे कहा, भारत के साथ मेरी एकमात्र समस्या यह है कि वे दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक हैं।

ट्रंप ने कहा, मेरा मानना है कि वे शायद उन टैरिफ को काफी हद तक कम करने जा रहे हैं, लेकिन 2 अप्रैल को हम उनसे वही टैरिफ वसूलेंगे जो वे हमसे वसूलते हैं। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे के बारे में उन्होंने कहा कि यह शानदार देशों का एक समूह है, जो उन देशों का सामना करने के लिए एकजुट हो रहा है, जो व्यापार में अमेरिका को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने चीन का नाम नहीं लिया। इस समझौते पर उन्होंने क्रू मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान साइन किया था।

ट्रंप ने कहा, हमारे पास व्यापार में भागीदारों का एक शक्तिशाली समूह है। फिर भी, हम उन भागीदारों को हमारे साथ बुरा व्यवहार करने नहीं दे सकते। हम अपने दुश्मनों के साथ कई मायनों में अपने दोस्तों के मुकाबले बेहतर व्यवहार करते हैं।

28 हजार KM/PH की स्पीड, 1600 डिग्री पारा, आग के गोले में बैठ धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनिता विलियम्स 9 महीने बाद धरती पर लौटी हैं। नासा के सभी 4 यात्री स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट कैप्सूल के जरिए ढ्वस्स से धरती पर लौटे। आइए जानते हैं, धरती से अंतरिक्ष तक कैसी थी उनकी यात्रा और ड्रैगन कैप्सूल स्प्लैश डाउन करने के बाद क्या-क्या हुआ।

नासा के मुताबिक अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी पर लौटने से पहले इन्होंने पृथ्वी की 4,500 बार परिक्रमा की थी और 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से करीब 19 करोड़ किलोमीटर की यात्रा की। उन्हें इस यात्रा में 17 घंटे का वक्त लगा।

28 हजार किलोमीटर प्रति घंटा थी कैप्सूल की रफ्तार- धरती पर लौटने की यात्रा में स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का सबसे मुश्किल चरण पृथ्वी के वायुमंडल में एंट्री के दौरान था। इस दौरान स्पेसक्राफ्ट की रफ्तार 28,800 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की थी। जिसके घर्षण के कारण स्पेसक्राफ्ट के बाहरी हिस्से का तापमान करीब 1,600 डिग्री सेल्सियस था। इतने ज्यादा तापमान होने के कारण स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी के वायुमंडल में एक आग के गोले की तरह उतर रहा था।वहीं, स्पेसक्राफ्ट में लगे हीट शील्ड के कारण उसमें बैठे सभी अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित धरती पर लौट आए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को कानून का पालन करना चाहिए, एक्स के आरोप पर केंद्र का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क के स्वामित्व वाली सोशल मीडिया कंपनी एक्स ने भारत सरकार के खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। अपनी याचिका में एक्स ने IT एक्ट को लेकर कहा, यह एक गैरकानूनी और अनियमित सेंसरशिप सिस्टम बनाता है, जिसके तहत कंटेंट को ब्लॉक कर प्लेटफॉर्म के संचालन को प्रभावित किया जा रहा है। अब इसको लेकर केंद्र सरकार का जवाब सामने आया है।

एक्स ने आईटी अधिनियम की केंद्र धारा 79(3)(बी) के इस्तेमाल को लेकर चिंता जाहिर की है। इसे लेकर एक्स ने तर्क दिया है यह धारा सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का उल्लंघन करती है। साथ ही यह ऑनलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कमजोर भी करती है।

क्या बोली केंद्र सरकार- केंद्र पर मुकदमा दायर करने के बाद अब सरकार ने कहा है कि सरकार सही प्रक्रिया का पालन करेगी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कानून का पालन करना चाहिए।

एक्स की याचिका में कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों और वास्तव में हजारों स्थानीय पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे धारा 69ए प्रक्रिया के बाहर, धारा 79(3)(बी) के तहत सूचना अवरोधन आदेश जारी करने के लिए अधिकृत हैं।

एक्स ने अपनी याचिका में कहा है कि आईटी एक्ट की धारा 69ए केवल विशिष्ट कारणों, जैसे कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों में कॉन्टेंट ब्लॉक करने की अनुमति देती है, और इसके लिए बकायदा एक रिव्यू प्रॉसेस की आवश्यकता होती है।

रान्या राव के अपमानजनक कवरेज से मीडिया को रोका जाए, हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह अभिनेत्री रान्या राव और उनके पिता कर्नाटक सरकार में डीजीपी रैंक के अधिकारी के रामचंद्र राव के खिलाफ झूठी और अपमानजनक सामग्री प्रसारित या प्रकाशित करने से मीडिया आउटलेट्स को रोकने के लिए उचित कदम उठाए।

हाईकोर्ट ने दिया आदेश - यह आदेश सोने की तस्करी के एक मामले से संबंधित चल रही कानूनी कार्यवाही के बीच आया है, जिसमें अभिनेत्री को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में रखा गया है। इस मामले में बेंगलुरु हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने रान्या राव से 12.56 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के बार जब्त किए थे। इसके बाद उनके आवास की तलाशी में 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये नकद बरामद हुई।

एक्ट्रेस की मां ने खटखटाया था कोर्ट का दरवाजा- 12 मार्च को रान्या राव की मां एचपी रोहिणी ने सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसने बाद में एकपक्षीय आदेश जारी कर मीडिया को दो जून तक अभिनेत्री के खिलाफ कोई भी अपमानजनक सामग्री प्रसारित या प्रकाशित करने से रोक दिया था।

रक्षा सचिव बोले- आतंकवाद एक उभरती चुनौती, भारत जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक गतिशील और उभरती चुनौती बनी हुई है। इसके खतरे लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं। आतंकवादी संगठन उन्नत प्रौद्योगिकी, साइबर उपकरण और मानव रहित प्रणालियों का उपयोग कर रहे हैं। इससे निपटने के लिए एक सुसंगत, दूरदर्शी और कार्रवाई-उन्मुख दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा आतंकवाद के प्रति भारत अपनी जीरो टालरेंस की नीति पर अडिग है।

भारत आतंकवाद के प्रति अपनी जीरो टालरेंस की नीति पर अडिग- बुधवार को नई दिल्ली में आतंकवाद-रोधी मुद्दों पर आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)- प्लस विशेषज्ञ कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) की 14वीं बैठक में मुख्य भाषण के दौरान उन्होंने कहा, भारत आतंकवाद के प्रति अपनी जीरो टालरेंस की नीति पर अडिग है। भारत ऐसे दृष्टिकोण में विश्वास करता है जिसमें मजबूत घरेलू तंत्र, खुफिया जानकारी साझा करना और मजबूत क्षेत्रीय सहयोग शामिल हो।

रक्षा सचिव ने कहा कि भारत-प्रशांत क्षेत्र अपने भू-राजनीतिक और आर्थिक महत्व के कारण सीमाओं के परे पांव पसार रहे आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद की दृष्टि से विशेष रूप से संवेदनशील है। इसके लिए एक व्यापक, अनुकूल और गहन सहयोगात्मक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

कर्नाटक में थाने के अंदर ताश खेलने पर पांच पुलिसकर्मी निलंबित, वीडियो हुआ था वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को कलबुर्गी जिले के चित्तपुर तालुक में वाडी थाने के अंदर ताश खेलने के आरोप में पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया। ताश खेलने का वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित होने के बाद यह कार्रवाई की गई।

घटना के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया

निलंबित पुलिस अधिकारियों की पहचान सहायक उपनिरीक्षक मोहम्मद मिया, हेड कांस्टेबल नागराज, सैबन्ना, इमाम और कांस्टेबल नागभूषण के रूप में हुई है। निलंबन आदेश कलबुर्गी एसपी अदुर श्रीनिवासुलु द्वारा जारी किए गए हैं। एसपी ने एसआइ तिरुमलेश को नोटिस जारी कर घटना के बारे में स्पष्टीकरण भी मांगा है।

निलंबित पुलिस अधिकारी कथित तौर पर ड्यूटी के दौरान पुलिस स्टेशन की पहली मंजिल पर ताश खेलने के लिए एकत्रित हुए थे। दो पुलिस अधिकारी अपनी वर्दी में ताश खेलते देखे गए। सात सेकंड के इस वीडियो ने कांग्रेस सरकार के लिए शर्मिंदगी का सबब बन गया है, क्योंकि यह वीडियो विधानसभा सत्र के दौरान सामने आया है।

गुजरात में जुआ खेलते 10 लोग गिरफ्तार, 2.17 लाख रुपये जब्त- गुजरात पुलिस ने अवैध जुए के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वडोदरा ग्रामीण जिले के गरडी गांव में एक जुए के अड्डे पर छापा मारा और 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

18 मार्च की शाम को की गई छापेमारी में 2.17 लाख रुपये नकद और कीमती सामान जब्त किया गया, जिससे इलाके में स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता उजागर हुई है। गराडी गांव के मोथा तलावडी क्षेत्र में अवैध जुआ गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। कार्रवाई के दौरान दो मुख्य संदिग्ध भागने में सफल रहे।

दुष्कर्म के आरोपी की याचिका में लिखा सहमति से संबंध, सुप्रीम कोर्ट ने वकील से पूछा- आपको कानून की ABCD पता है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमानत याचिका में बार-बार सहमति संबंध लिखना एक वकील को भारी पड़ गया। सुप्रीम कोर्ट ने वकील को फटकार लगाई और कहा कि आपको कानून की एबीसीडी नहीं पता है। नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत याचिका में वकील ने बार-बार सहमति से संबंध का जिक्र कर रखा था।

इससे सुप्रीम कोर्ट की पीठ नाराज हो गई। पीठ वकील को यह बताना चाहती थी कि यदि पीड़िता नाबालिग है तो सहमति मायने नहीं रखती है। हालांकि बाद में वकील ने पीठ से माफी भी मांगी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने पुलिस और अन्य को जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया।

पीठ ने पूछा- लड़की की उम्र क्या है- जस्टिस एन कोटिश्वर और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने गुरुवार को जमानत याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि याचिका पढ़ने के बाद हम मानसिक तौर से बीमार हो गए। आपने एसएलपी (विशेष अनुमति याचिका) में कम से कम 20 बार सहमति से संबंध लिख रखा है। जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि लड़की की उम्र क्या है? याचिका में आपने खुद ही नाबालिग बता रखा है।

कानून की एबीसीडी नहीं पता

जस्टिस सूर्यकांत ने वकील से कहा कि आपने हर पैराग्राफ में सहमति से संबंध लिखा है। सहमति से संबंध से आपका क्या मतलब है? आपको कानून की एबीसीडी नहीं पता है। आप एसएलपी दाखिल क्यों कर रहे हैं।

ये लोग कैसे एओआर के लिए योग्य हैं- सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पूछा कि क्या आप एओआर (एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड) हैं? पीठ ने आगे कहा कि ये लोग (एओआर के लिए) कैसे योग्य हैं? आप को बुनियादी कानून की जानकारी नहीं है। 20 बार आपने सहमति से संबंध लिख रखा है। कल को आप कहेंगे कि 8 महीने के बच्चे के साथ भी सहमति से संबंध थे।

क्या होते हैं एओआर- एओआर यानी एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड वे वकील होते हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट में मामले और याचिका दाखिल करने का अधिकार होता है।

सेवानिवृत्ति से खाली पदों को खत्म करने की कोई नीति नहीं, लोकसभा में बोले जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि सरकार अपने कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में बदलाव के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है।

एक सवाल के लिखित उत्तर में कही ये बात- एक सवाल के लिखित उत्तर में उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के पास कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति से उत्पन्न रिक्तियों को खत्म करने की कोई नीति नहीं है। सिंह ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में बदलाव का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

यह पूछे जाने पर कि क्या किसी सरकारी कर्मचारी संघ या संगठन ने सेवानिवृत्ति की आयु में बदलाव की मांग की है, मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय परिषद के कर्मचारी पक्ष से कोई औपचारिक प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

यह विषय वस्तु राज्य सूची में आती है - केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु का विवरण और उनकी सेवानिवृत्ति आयु में असमानता के कारणों को साझा करने के लिए कहे जाने पर सिंह ने कहा कि सरकार में ऐसा कोई डाटा केंद्रीय रूप से नहीं रखा जाता है क्योंकि यह विषय वस्तु राज्य सूची में आती है।

एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि वृद्ध पेंशनभोगियों को अतिरिक्त पेंशन दी जाती है, क्योंकि उन्हें बेहतर सुविधा की आवश्यकता होती है। स्वास्थ्य और उम्र से संबंधित उनकी जरूरतें विशेष रूप से बढ़ती हैं। उन्होंने कहा कि पेंशन वितरण प्राधिकरण, बैंकों द्वारा पेंशनभोगी, पारिवारिक पेंशनभोगी को देय होते ही अतिरिक्त पेंशन का भुगतान स्वचालित रूप से कर दिया जाता है।

2024 में 26 लाख से अधिक जन शिकायतों का निवारण हुआ - केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में कहा कि पिछले वर्ष सीपीजीआरएएमएस पोर्टल पर अब तक की सर्वाधिक 26 लाख से अधिक जन शिकायतों का निवारण किया गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण सप्तमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

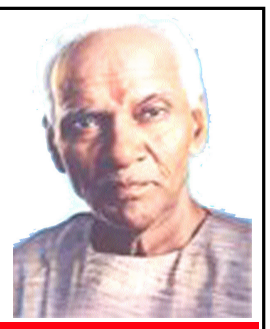

संपादकीय

पक्षियों के संसार में कई पक्षी प्रजातियां गायब हो चुकी हैं...

पक्षियों के संसार में कई पक्षी प्रजातियां गायब हो चुकी हैं, और कई विलुप्ति के कगार पर हैं. पहले घर आंगन में चहक.ने वाली गौरैया अब कम ही दिखती है, और इसके विलुप्त होने का खतरा बढ़ता जा रहा है. यह नन्ही चिड़िया आज लाल सूची में शामिल हो चुकी है.

हर किसी की जीवनशैली बदल गयी है. इस बदली जीवनशैली के कारण घर-आंगन में चहकने-फुदकने वाली छोटी सी प्यारी चिड़िया गौरैया इंसानों से दूर होते जा रही है. मनुष्यों की बढ़ती आबादी की वजह से आज पक्षियों का आशियाना कम होता जा रहा है. शहरीकरण की वजह से खेत और खलिहान भी कम होते जा रहे हैं. गौरैया जिसे हम 'मानव मित्र' कहते हैं, आज उनके रहने की जगह न के बराबर है. हालांकि गांवों में अब भी बेहतर माहौल होने की वजह से इनकी संख्या अच्छी खासी है, लेकिन शहर में स्थिति चिंताजनक है. लेकिन थोड़े से प्रयास करने पर लोग अपने आस-पास भी गौरैया की चहचहाहट आसानी से सुन सकते हैं. यही वजह है कि राजधानी के कई लोग इसके संरक्षण के लिए आगे आ रहे हैं।

गौरैया का संरक्षण के लिए उठाये जा रहे कई कदम- राजधानी में भी गौरैया की घटती संख्या को लेकर कई कदम उठाए जा रहे हैं. यहां के कई नागरिक समाज, गैर सरकारी संगठन और सरकारी संस्थाएं गौरैया के संरक्षण के लिए जागरुकता फैलाने के काम में लगी हुई हैं. इन प्रयासों का उद्देश्य इस पक्षी की घटती संख्या को रोकना और उन्हें अपने प्राकृतिक आवास में पुनः स्थापित करना है।

2016 में इसे रेड लिस्ट में शामिल किया गया- ब्रिटेन की 'रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डस' और आंध्र विश्वविद्यालय के अध्ययनों के मुताबिक, गौरैया की आबादी में 60-80 फीसदी तक की कमी आयी है. इसी कारण, इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने 2016 में इसे रेड लिस्ट में शामिल किया था. इसके बावजूद, गौरैया समेत पक्षियों के विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है।

संकट में है कई पक्षियों का जीवन- जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियां जैसे वनों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण और कीटनाशकों का बढ़ता उपयोग, पक्षियों के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं. तापमान में वृद्धि और मौसम में हो रहे निरंतर बदलावों से गौरैया और अन्य पक्षियों का जीवन संकट में है. यह परिवर्तन उनके भोजन, आश्रय और प्रजनन की प्रक्रियाओं को प्रभावित कर रहा है, जिससे उनकी संख्या में गिरावट हो रही है।

संरक्षण की करनी होगी पहल- भारत सरकार ने गौरैया को वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अनुसूची-द्वितीय में शामिल किया है, ताकि इसका शिकार रोकने और संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके. इसके तहत, गौरैया को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए विशेष अनुमति जरूरी है. बावजूद इसके, इन कोशिशों के बावजूद गौरैया की आबादी में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं आया है.

वन्यजीव संरक्षण में चुनौतियां- गौरैया और अन्य पक्षियों की घटती आबादी के पीछे मुख्य कारण हैं ङ्क कृषि में अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग, प्राकृतिक आवासों का नष्ट होना, और शहरीकरण. खेतों, बाग-बगीचों और तालाबों के स्थान पर कंक्रीट के जंगल बन गये हैं, जिससे पक्षियों के लिए भोजन और आश्रय की कमी हो रही है. यह स्थिति पक्षियों के अस्तित्व को और भी खतरनाक बना रही है।

हरियाली को बढ़ावा देना आवश्यक- गौरैया की घटती आबादी का मुख्य कारण शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन है. जब तक हम अपनी जीवनशैली में बदलाव नहीं लायेगे, तब तक इसके संरक्षण के प्रयास अधूरे रहेंगे. घरों में गौरैया के लिए दाना पानी की व्यवस्था, कृत्रिम घोंसले बनाना, और शहरों में हरियाली बढ़ाना।

मोहित शर्मा (मेजर)

मेजर मोहित शर्मा भारतीय सेन्य अधिकारी थे, जिन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था, जो भारत का सर्वोच्च शांति-कालीन सैन्य अलंकरण है। मेजर शर्मा कुलीन 1 पैरा एसएफ से थे। वह 21 मार्च, 2009 को नॉर्थ कश्मीर के कुपवाड़ा में शहीद हो गए थे। मेजर मोहित शर्मा ब्रावो असॉल्ट टीम को लीड कर रहे थे और 1 पैरा स्पेशल फोर्स के कमांडो थे। उन्होंने हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकियों को मौत के घाट उतारा था। उनकी बहादुरी आज भारतीय सेना के वीरों में देश की खातिर कुछ भी कर गुजरने का जज्बा पैदा करती है।

अंतिम ऑपरेशन- मेजर मोहित शर्मा 21 मार्च, 2009 को नॉर्थ कश्मीर के कुपवाड़ा में शहीद हुए। मेजर मोहित ब्रावो असॉल्ट टीम को लीड कर रहे थे और वह 1 पैरा स्पेशल फोर्स के कमांडो थे। मेजर मोहित ने हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकियों को मौत के घाट उतारा। कुपवाड़ा के घने हफरुदा के जंगलों में मुठभेड़ हुई और मेजर मोहित ने बहादुरी से मोर्चा संभाला। मेजर मोहित आतंकियों से लड़ते हुए शहीद हो गए। लेकिन शहीद होने से पहले उन्होंने 4 आतंकियों को ढेर किया और अपने दो साथियों की जान बचाई। मेजर मोहित को उनकी बहादुरी के लिए शांति काल में दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान मरणोपरांत उन्हें दिया गया था। इसके अलावा उन्हें सेना मेडल से भी नवाजा गया था। मेजर मोहित शर्मा जिस ऑपरेशन को लीड कर रहे थे, उसे ऑपरेशन रक्षक नाम दिया गया था।

13 जनवरी, 1978 को हरियाणा के रोहतक में जन्में मेजर मोहित शर्मा को जंगलों में कुछ आतंकियों के छिपे होने की इंटेलीजेंस मिली थी जो घुसपैठ की कोशिशें कर रहे थे। मेजर मोहित ने पूरे ऑपरेशन की प्लानिंग की और अपनी कमांडो टीम को लीड किया। तीनों तरफ से आतंकी फायरिंग कर रहे थे और मेजर मोहित बिना डरे अपनी टीम को आगे बढ़ने के लिए कहते रहे। फायरिंग इतनी जबर्दस्त थी कि चार कमांडो तुरंत ही उसकी चपेट में आ गए थे। मेजर मोहित ने अपनी सुरक्षा पर जरा भी ध्यान नहीं दिया और वह रेंगते हुए अपने साथियों तक पहुंचे और उनकी जान बचाई। बिना सोचे-समझे उन्होंने आतंकियों पर ग्रेनेड फेंके और दो आतंकी वहीं ढेर हो गए। इसी दौरान मेजर मोहित के सीने में एक गोली लग गई। इसके बाद भी वह रुके नहीं और अपने कमांडोज को बुरी तरह घायल होने के बाद निर्देश देते रहे।

मेजर मोहित शर्मा को अपने साथियों पर खतरे का अंदेशा हो गया था और इसके बाद उन्होंने आगे बढ़ाकर चार्ज संभाला। मेजर मोहित ने दो और आतंकियों को ढेर किया और इसी दौरान वह शहीद हो गए। मेजर मोहित शर्मा ने हिजबुल के दो आतंकियों के साथ संपर्क बना लिया था जिनके नाम थे अबु तोरारा और अबु सबजार और इसी दौरान उन्होंने अपना नाम इफ्तिखार बट रखा था। मेजर मोहित ने उन्हें इतना भरोसे में ले लिया था कि जब उन्होंने आतंकियों के सामने सेना के काफिले पर हमले की योजना बताई तो आतंकियों ने उनकी बात पर यकीन कर लिया था। मेजर मोहित शर्मा इन आतंकियों के साथ शोपियां में अज्ञात जगह पर एक छोटे-से कमरे में रहते थे।

नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) से पास आउट होने के बाद मेजर मोहित शर्मा 11 दिसंबर, 1999 को इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) से पासआउट हुए और पहला कमीशन 5 मद्रास में मिला। पहली पोस्टिंग हैदराबाद थी और यहां से उन्हें कश्मीर में 38 राष्ट्रीय राइफल्स के साथ तैनात किया गया। मेजर मोहित ने आतंकियों को बताया था कि साल 2001 में उनके भाई को भारतीय सुरक्षाबलों ने मार दिया था और अब उन्हें अपने भाई की मौत का बदला लेना है। मेजर ने उनसे कहा कि बदला लेने के लिए उन्हें आतंकियों की मदद चाहिए होगी। मेजर मोहित ने दोनों आतंकियों को बताया था कि उनकी प्लानिंग आर्मी चेकप्वाइंट पर हमला करने की है और इसके लिए उन्होंने सारा ग्राउंडवर्क भी कर लिया था।

बहादुर पैरा स्पेशल फोर्सेज के ऑफिसर ने आतंकियों का भरोसा जीतने के लिए उन्हें हाथ से तैयार मैप्स तक दिखाए थे। आतंकी अक्सर उनसे यह भी पूछते थे कि वह आखिर कौन हैं लेकिन हर बार मेजर मोहित शर्मा उन्हें चकमा देने में कामयाब हो जाते थे। आतंकियों ने तय किया कि वह मेजर मोहित की मदद करेंगे।

क्या होता है लोन टू वैल्यू रेश्यो? होम लोन लेने से पहले जान लें ये जरूरी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपना मनपसंद घर खरीदना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए कई बार हमें लोन का भी सहारा लेना पड़ सकता है। होम लोन लेने से आप पर होने वाला बोझ कम हो जाता है। अगर आप भी लोन लेने का प्लान बना रहे हैं, तो इससे पहले लोन टू वैल्यू रेश्यो के बारे में जरूर जान लें।

लोन-टू वैल्यू रेश्यो यानी एलटीवी उधारकर्ता को जोखिम का आकलन करने में मदद करता है। सरल शब्दों में कहा जाए तो एलटीवी ये बताता है कि आपको संपत्ति की कीमत पर कितना लोन मिल रहा है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस के अनुसार लोन-टू-वैल्यू रेश्यो अनुपात लोन मिलने वाली राशि को दर्शाता है। वहीं ये रेश्यो किसी भी उधारकर्ता के लिए जानना बेहद जरूरी है। क्योंकि इससे समझा जा सकता है कि संपत्ति की कुल मूल्य की तुलना में कितना लोन मिल सकता है।

उदाहरण के लिए मान लीजिए संपत्ति की वैल्यू 50 लाख रुपये हैं। वहीं आपको मिलने वाला लोन 10 लाख रुपये है। तो एलटीवी रेश्यो 20 फीसदी होता है।

अगर आप अपना एलटीवी रेश्यो कैलकुलेट करना चाहते हैं, तो नीचे बताए गए फार्मूला का इस्तेमाल कर सकते हैं।

अगर आप होम लोन के लिए अप्लाई कर रहे हैं, तो एलटीवी रेश्यो को जरूर चेक कर लें। अगर एलटीवी रेश्यो काफी अधिक आता है, तो ये आपके के लिए आर्थिक अस्थिरता भी बन सकती है। क्योंकि जितना ज्यादा एलटीवी होगा, उतना ही आपके उधार की वैल्यू बढ़ जाएगी।

इसके साथ ही ज्यादा एलटीवी का मतलब है कि ज्यादा ईएमआई (किस्त) भरनी होगी।

इसलिए लोन लेने से पहले अपना एलटीवी जरूर चेक कर लें। एलटीवी चेक करने के साथ-साथ कई अन्य फैक्टर पर भी ध्यान दें। जैसे इनकम, क्रेडिट स्कोर, बाकी के उधार को भी देखें। डाउन पेमेंट ज्यादा होने से आपके एलटीवी और ईएमआई दोनों ही कम हो सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि डाउन पेमेंट इतनी भी ज्यादा नहीं होनी चाहिए कि आप उसे ना चुका पाएं।

एक पॉजिटिव खबर से इस सस्ते शेयर ने लगाई दौड़, 100 के पार पहुंचा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी- जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स के शेयर में गुरुवार को तूफानी तेजी आई। सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को शेयर पर निवेशक टूट पड़े और भाव 100 रुपये के पार पहुंच गया। सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी के शेयर गुरुवार के इंट्राडे में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 14 प्रतिशत चढ़कर 108.99 रुपये के हाई पर पहुंच गए। शेयर में यह तेजी कंपनी को मिली एक पॉजिटिव खबर की वजह से आई है।

दरअसल, जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स को 481.11 करोड़ रुपये के ऑर्डर के लिए एल1 (सबसे कम बोली लगाने वाली) घोषित किया गया है। कंपनी द्वारा एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, इस ऑर्डर में डाउन और मिडिल लाइन के लिए रूपनारायण नदी पर पुल संख्या 57 का निर्माण शामिल है। इसके तहत दोनों तरफ एक पुल (11×30.5 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 15×30.5 मीटर कम्पोजिट गर्डर) का निर्माण करना है। वहीं, दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर डिवीजन में हावड़ा-खड़गपुर रूट पर एक डायवर्टेड अलाइनमेंट पर एलिवेटेड प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 पर कोलाघाट स्टेशन शामिल के निर्माण का भी काम है।

जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स के शेयर में पिछले पांच दिनों में करीब 10 फीसदी और पिछले महीने में 0.7 फीसदी की तेजी आई है।

एसेट एलोकेशन अब चर्चा में क्यों हैं? क्या यह निवेश का बेहतर विकल्प है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जो एक समय शैडो में चली गई थी क्योंकि बाजार ऊंचाई पर था और करेक्शन कहीं नजर नहीं आ रहा था, अब फिर से चर्चा में है। बाजार में गिरावट, टैरिफ वॉर के कारण मंदी की आशंका, कॉर्पोरेट मुनाफे में कमी और GDP ग्रोथ में गिरावट ने निवेशकों को दोबारा एसेट एलोकेशन की अहमियत समझा दी है।

हाल ही में कई निवेशक अल्पकालिक आकर्षक रिटर्न के लालच में सिर्फ इक्विटी पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे, जिससे वे अन्य एसेट क्लास को भूल गए थे। लेकिन जैसे-जैसे शेयर की कीमतों में गिरावट आई और प्रमुख इक्विटी इंडेक्स सितंबर 2024 में अपने शिखर से 14% नीचे गिर गए, निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। खासतौर पर मिडकैप और स्मॉल-कैप शेयरों पर असर अधिक हुआ, जिनमें से कुछ में हाल के उच्चतम स्तर से 50% तक की गिरावट दर्ज की गई। नतीजा यह हुआ कि पोर्टफोलियो रिटर्न मुनाफे से घाटे की ओर चला गया और मार्केट वैल्यू में .1 ट्रिलियन से अधिक की गिरावट आ गई।

इस स्थिति ने निवेशकों को एसेट एलोकेशन की असली अहमियत समझा दी। यह रणनीति साबित करती है कि लॉन्ग-टर्म रिटर्न के लिए अलग-अलग एसेट क्लास में डाइवर्सिफिकेशन बेहद जरूरी है। शोध से यह भी पता चलता है कि 90% से अधिक लॉन्ग-टर्म पोर्टफोलियो रिटर्न एसेट एलोकेशन से आता है, जबकि सिक्योरिटी सेलेक्शन का योगदान 3% से भी कम होता है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि हर ऐसेट क्लास अलग-अलग मर्केट साइकिल के दौरान अपने तरीके से व्यवहार करता है, और एक साइकिल के विजेता हमेशा अगले साइकिल के विजेता नहीं होते हैं। इसीलिए, इक्विटी, बॉन्ड और गोल्ड जैसे एसेट क्लास का संतुलित मिश्रण लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न दे सकता है और अस्थिरता के प्रभाव को कम कर सकता है, खासकर इक्विटी में।

क्या होता है ईएलएसएस फंड? इसमें निवेश कर बचा सकते हैं लाखों रुपये का टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा वित्त वर्ष खत्म होने में बस कुछ ही दिनों का वक्त रह गया है। 1 अप्रैल 2025 से नया वित्त वर्ष 2025-26 शुरू हो जाएगा। अगर आप टैक्स सेविंग का प्लान बना रहे हैं, तो अभी भी आपके पास मौका है।

अगर आप बेहतर रिटर्न के साथ टैक्स सेविंग भी करना चाहते हैं, तो ईएलएसएस एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें म्यूचुअल फंड होने की वजह से बेहतर रिटर्न मिल जाता है। इसके साथ ही आप लाखों रुपये का टैक्स भी बचा सकते हैं।

सेक्शन 80सी के तहत आप स्पेसिफिक इंस्ट्रूमेंट में निवेश कर 1.5 लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं।

क्या है श्वस्स स्नह्ठ्ठस्न?

ईएलएसएस को इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम भी कहा जाता है। ये एक तरह का टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड है। ईएलएसएस के तहत आपके सारे पैसे शेयरों में निवेश होते हैं। जिससे जोखिम की संभावना बढ़ जाती है।

हालांकि रिस्क होने के साथ-साथ इसमें बेहतर रिटर्न मिलने की उम्मीद भी ज्यादा है। वहीं अन्य टैक्स सेविंग स्कीम बैंक एफडी, पीपीएफ या राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र इत्यादि के तरह ये गारंटी रिटर्न नहीं देता है।

ईएलएसएस के तहत आप लंबे समय के लिए पैसा निवेश कर, मोटा फंड तैयार कर सकते हैं।

Air India और Air New Zealand के बीच हुई पार्टनरशिप, New Zealand में जाना होगा और आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज कंपनी एयर इंडिया ने एयर न्यूजीलैंड के साथ कोड शेयर साझेदारी की है। 19 मार्च बुधवार को दोनों एयरलाइन्स ने कोडशेयर साझेदारी पर हस्ताक्षर कर दिया है।

इस कोडशेयर साझेदारी के बाद यात्रियों के लिए न्यूजीलैंड जाना अब और आसान हो जाएगा।

एयर इंडिया और एयर न्यूजीलैंड बहुत जल्द भारत, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 16 नए कोडशेयर की स्थापना कर सकती है।

क्या होता है कोडशेयर- कोडशेयर साझेदारी के बाद एयरलाइंस को अच्छा खासा मुनाफा मिल जाता है। क्योंकि इसके तहत दोनों एयरलाइन्स अपने यात्रियों को एक ही टिकट पर अपने पार्टनर एयरलाइन पर बुक करने की अनुमति देता है।

इससे पहले भी कई एयरलाइंस कंपनी के बीच कोडशेयर हो चुका है। हालांकि ये डायरेक्ट फ्लाइट नहीं होती है। जिसका मतलब है कि आपको भारत से किसी अन्य डेस्टिनेशन पर रोका जाएगा। जहां से आपको दूसरे कंपनी की फ्लाइट मुख्य डेस्टिनेशन तक पहुंचा देगी। उदाहरण के लिए एयर इंडिया आपको भारत के एयरपोर्ट से किसी दूसरे देश में ड्रॉप करती है। जहां से आपको एयर न्यूजीलैंड, डेस्टिनेशन तक पहुंचा देता है।

2028 तक शुरू होगी डायरेक्ट फ्लाइट?

बुधवार को हुई साझेदारी के तहत दोनों ही एयरलाइन्स भारत और न्यूजीलैंड के बीच डायरेक्ट फ्लाइट तलाशने की कोशिश करेंगे। हालांकि ये एयरपोर्ट, फ्लाइट और सरकार की सहमति पर निर्भर करता है।

वर्तमान में दोनों ही देशों के बीच कोई भी डायरेक्ट फ्लाइट मौजूद नहीं है।

4 दिन में 26त्न उछल गया यह शेयर, कंपनी को मिले हैं 1267 करोड़ रुपये के ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री की कंपनी केईसी इंटरनेशनल के शेयरों में तूफानी तेजी जारी है। कंपनी के शेयरों में लगातार चौथे दिन उछाल देखने को मिला है। केईसी इंटरनेशनल के शेयर गुरुवार को BSE में 10 पर्सेंट से ज्यादा उछलकर 848 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले चार दिन में कंपनी के शेयरों में 26 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। केईसी इंटरनेशनल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1312 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 648.45 रुपये है।

केईसी इंटरनेशनल के शेयरों में मौजूदा रैली कंपनी की तरफ से वीकेंड में किए गए अनाउंसमेंट के बाद शुरू हुई है। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी ने घोषणा की है कि उसे कई ऑर्डर मिले हैं, जिनकी वैल्यू 1267 करोड़ रुपये है। केईसी इंटरनेशनल ने 15 मार्च को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उसके ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस को भारत और अमेरिका में टीएंडडी प्रोजेक्ट्स के लिए कम्फर्ट लेटर मिले हैं।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

अब दमोह में पुलिस पर हमलाज आरोपी को लेकर हथियार जब्त करने गई थी पुलिस, उसने बंदूक उठाकर चला दी गोली

दमोह । मध्य प्रदेश के दमोह जिले के देहात थाना अंतर्गत ग्राम मराहार में गुरुवार की सुबह पुलिस 23 अपराधों के आरोपी कासिम खान को पकड़कर अवैध रूप से रखे हुए हथियारों की तलाश में गई थी। इस दौरान आरोपी द्वारा पुलिस टीम पर फायर कर दिया, जिससे जबलपुर नाका चौकी प्रभारी एएसआई आनंद अहिरवार के हाथ में गोली लगने से घायल हो गए।

पुलिस द्वारा अपने बचाव में आरोपी पर भी फायर किया जो उसके पैर में लगा। दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से एएसआई आनंद अहिरवार को जबलपुर एवं आरोपी कासिम खान को

मेडिकल कॉलेज सागर रेफर किया गया है।23 केस में वांटेड आरोपी है कासिम कसाई इस संबंध में पुलिस अधीक्षक श्रुति कीर्ति सोमवंशी ने बताया कि गऊ कशी सहित अन्य 23 मामलों में वांटेड आरोपी कासिम कसाई को पुलिस द्वारा नागपुर से गिरफ्तार किया गया था। इसके उपरांत आरोपी द्वारा छुपाए गए अवैध हथियारों को पकड़ने के लिए कोतवाली एवं देहात थाना पुलिस की टीम संयुक्त रूप से आरोपी के द्वारा बताए गए स्थान पर गुरुवार की सुबह ले जाया गया था।

पिस्टल से कर दिया पुलिस पर फायरजहां पर उसके द्वारा जिन स्थानों पर अवैध शस्त्र रखे हुए थे। उस स्थान पर पहुंचकर उसने उन्हें शस्त्रों में से एक पिस्टल द्वारा पुलिस पर फायर कर दिया। जिससे जबलपुर नाका चौकी प्रभारी आनंद अहिरवार के बाएं हाथ में लगी और उन्होंने अपने आप को बचा लिया।

जिस पर पुलिस टीम द्वारा आरोपी पर भी अपने बचाव में फायर किया जो उसके पैर में लगा। दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से एएसआई आनंद अहिरवार को जबलपुर एवं आरोपी कासिम खान को सागर रेफर किया गया है।

कई मामलों में फरार चल रहा थापुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने बताया कि आरोपी कासिम खान 23 अपराधों में वांटेड है और कई मामलों में फरार चल रहा था। इस पर इनाम भी घोषित किए गए थे। कासिम को नागपुर से गिरफ्तार कर हथियारों की जप्ती के लिए ले जाया गया था। कासिम पर हमले के विरोध में चक्का जाम करने की कोशिश

पुलिस द्वारा इसके अन्य मामलों की भी जांच की जा रही है। वहीं दूसरी ओर कासिम खान की गिरफ्तारी एवं उस पर किए गए हमले के विरोध में कसाई मंडी की महिलाओं द्वारा चक्का जाम करने की कोशिश की गई। इस पर पुलिस ने उन्हें किसी भी प्रकार का आंदोलन से रोका।

जबलपुर से इंदौर ट्रेन का सफर 2 घंटे होगा कम, इटारसी से बुदनी होकर बिछेगी नई रेल लाइन

जबलपुर । जबलपुर से इंदौर के बीच नई रेल लाइन गाडवारा-बुदनी होकर नहीं इटारसी-बुदनी-खातेगांव होकर बन रही। ये लाइन इंदौर-देवास रेल लाइन में मांगलिया गांव के पास जुड़ेगी। इस रास्ते में भोपाल नहीं पड़ेगा।

इस नई लाइन के बनने के बाद जबलपुर से इंदौर के सफर का समय दो घंटे तक कम हो जाएगा। जबलपुर-इंदौर (गाडरवारा एवं बुदनी होकर) नई रेल लाइन की प्रगति पर नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चौधरी द्वारा पूछे गए सवाल पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में ये जानकारी दी।रेल मंत्री ने बताया कि बुदनी से इंदौर के बीच नई रेल लाइन निर्माण कार्य प्रक्रिया में है। इस परियोजना के गाडरवारा-बुदनी रेलखंड के दोनों अंतिम स्टेशन पूर्व से इटारसी होकर रेलमार्ग से जुड़े हुए हैं।

दोनों के मध्य नवीन रेल लाइन से उनकी दूरी में ज्यादा अंतर नहीं आ रहा है। इसलिए गाडरवारा-बुदनी के मध्य नई रेल लाइन बिछाना तर्कसंगत नहीं है। आठ वर्ष पुरानी परियोजना- जबलपुर(गाडरवारा)-इंदौर (मांगलियागांव) नई रेल लाइन की घोषणा वर्ष 2016-17 के बजट में हुई थी।

उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में था। वर्ष 2021-22 के बजट में एक हजार रुपये के आवंटन से परियोजना की बंद फाइल फिर खुल गई। उसके बाद के बजट में भी परियोजना को आवंटन जारी हुए। गत दो बजट में आवंटन बढ़ने के बाद परियोजना के इंदौर-बुदनी रेलखंड में रेल लाइन निर्माण प्रक्रिया ने गति पकड़ी।इंदौर-बुदनी का कार्य जारी लोकसभा में रेल मंत्री ने बताया कि इंदौर (मांगलियागांव) और बुदनी के बीच (205 किलोमीटर) नई रेल लाइन का कार्य 3261.82 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया है। मार्च-2024 तक 948.37 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। वर्ष 2024-25 के लिए इस परियोजना को 1107.25 करोड़ रुपये आवंटित किया गया है। रेल लाइन निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया की जा रही है।चार किमी का अंतर

इटारसी होकर गाडरवारा से बुदनी रेल मार्ग से जुड़ा है, जिसकी दूरी 141 किमी है। इंदौर नई रेल लाइन परियोजना में प्रस्तावित गाडवारा-बुदनी रेलखंड की दूरी 137 किमी है। मात्र चार किलोमीटर की दूरी कम करने के लिए अलग से लाइन बिछाना रेलवे को अब खर्चीला लग रहा है।

दिन में गर्मी, रात में सर्दी का अहसास-अब कहीं-कहीं बारिश के भी आसार, जानिए मध्य प्रदेश का मौसम

भोपाल। वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर तीन मौसम प्रणालियां सक्रिय हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी से नमी आने के कारण प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। इसके तहत भोपाल, नर्मदापुरम, सागर, रीवा, जबलपुर, शहडोल संभाग के जिलों में गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है।

प्रदेश के अन्य क्षेत्र में भी आंशिक बादल छा रहे हैं। गुरुवार को भोपाल एवं आसपास के जिलों में हल्की वर्षा हो सकती है। उधर, बुधवार को सबसे अधिक 37.6 डिग्री सेल्सियस तापमान धार में दर्ज किया गया।रात का सबसे कम 14.2 डिग्री सेल्सियस तापमान ग्वालियर में रिकॉर्ड किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 15 डिग्री सेल्सियस पर रहा।30 से 40 किलो प्रति घंटा की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ अफगानिस्तान एवं उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। ओडिशा से दक्षिण विदर्भ तक एक द्रोणिका बनी हुई है, जो दक्षिणी छत्तीसगढ़ से होकर जा रही है।

इसके अतिरिक्त दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। गुरुवार को भोपाल, नर्मदापुरम, सागर, रीवा, जबलपुर, शहडोल संभाग के जिलों में वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान तेज 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

किस वजह से बदलेगा मौसम मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ एवं उससे लगे पूर्वी मध्य प्रदेश में बंगाल की खाड़ी की तरफ से आने वाली दक्षिण-पूर्वी एवं अरब सागर की तरफ से आने वाली उत्तर-पश्चिमी हवाओं का सम्मिलन हो रहा है।

साथ ही वर्तमान ओडिशा से दक्षिण विदर्भ तक एक द्रोणिका बनी हुई है, जो दक्षिणी छत्तीसगढ़ से होकर जा रही है। इस वजह से बादल बने रहने के साथ-साथ वर्षा होने की भी संभावना है। इस दौरान तेज रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी।पहाड़ों में हुई बर्फबारी, चली हवाएं वहीं, ग्वालियर से खबर है कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तराखंड में बीते कुछ दिनों से मौसम ने करवट बदली है। पहाड़ी जिलों में बारिश और बर्फबारी के बाद चली उत्तरी हवाओं से अंचल में ठंड बढ़ गई और रात का तापमान गिर गया। हालांकि दिन में तेज धूप के चलते गर्मी का अहसास हुआ और दिन का तापमान बढ़ गया। अंचल का रात का पारा सामान्य से 2.8 डिग्री गिर गया और 14.2 पर आ गया। वहीं तेज धूप की वजह से दिन के तापमान में 2.6 डिसे की बढ़ोतरी हो गई और 34.4 डिसे पर पहुंच गया।

बुरहानुपर के केले में मिनरल्स का भंडार, GI Tag के लिए प्रजेंटेशन में बताईं खूबियां

बुरहानपुर। करीब दो साल की लंबी प्रतीक्षा के बाद गुरुवार को उज्जैन में जीआई टैग के लिए प्रेजेंटेशन बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश के सोलह से ज्यादा जिलों के अधिकारियों को बुलाया गया था, लेकिन दस जिलों के अधिकारी ही शामिल हुए। साथ ही केंद्र सरकार की टीम और जीआई टैग मप्र के डायरेक्टर लक्ष्मीकांत दीक्षित मौजूद थे।सूत्रों के अनुसार बैठक में शामिल बुरहानपुर जिले के विज्ञानी और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने केले की

विशेषता बताई।

इसके साथ ही देवास जिले से पहुंचे अधिकारियों ने वहां के खुरचन (मलाई से बना मिष्ठान) और गुलाब जामुन की विशेषता बताई।

इसके अलावा जीआई टैग के लिए नरसिंहपुर के बैगन व इमली और इंदौर के आलू को भी शामिल किया गया है।

सभी जिलों के अधिकारियों ने अपने उत्पादों की विशेषता, गुणवत्ता और उनमें मौजूद तत्वों के संबंध में जानकारी दी।

केंद्र से आई टीम प्रेजेंटेशन के दौरान सामने आए तथ्य व जानकारी लेकर दिल्ली रवाना हो गई है। इस बैठक को पूरी तरह गोपनीय रखा गया था।

वहां मीडिया का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित था। बताया जा रहा है कि जल्द ही इस प्रेजेंटेशन का परिणाम आ सकता है।

यदि बुरहानपुर के केले को जीआई टैग मिला तो इसके एक्सपोर्ट में कई गुना की वृद्धि संभव है।वर्ष 1960 से शुरू केले का उत्पादन

जिले में केले का उत्पादन वर्ष 1960 से शुरू हुआ था।पहली बार जलगांव से बैलगाड़ी में टिश्यू कल्चर लाकर पांच एकड़ खेत में फसल लगाई गई थी।इसके बाद धीरे-धीरे अन्य किसानों ने फसल लगाना शुरू किया।

डॉक्टर को पीटने वाले चार दिन बाद भी नहीं पकड़ाए, पुलिस कमिश्नर को दर्ज कराया विरोध

इंदौर। इंदौर में मदरहुड अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ हुई बदसलूकी के बाद डॉक्टरों में गुस्सा है। 16 मार्च को यह घटना घटी, जब एक नवजात की तबियत खराब थी और उसके परिजनों ने सीनियर डॉक्टर गौरव मोगरा को बुलाया। डॉ. मोगरा रविवार को किसी पारिवारिक कार्यक्रम में जाने की तैयारी में थे, लेकिन फिर भी वे अस्पताल पहुंचे। इस दौरान लिफ्ट के बाहर भीड़ थी और उन्होंने परिजनों से रास्ता देने का अनुरोध किया। इसके बाद परिजनों ने बहस शुरू कर दी और डॉक्टर के साथ मारपीट की।

पत्नी से भी की बदसलूकी- जब डॉ. मोगरा ने अपना परिचय दिया और स्थिति को शांत करने की कोशिश की, तब भी परिजनों ने उनका विरोध किया। डॉ. मोगरा की पत्नी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी बदसलूकी का सामना करना पड़ा। डॉक्टर ने तत्काल विजय नगर पुलिस थाने को सूचित किया, लेकिन पुलिस की टीम देर से आई। इसके बाद दो पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाया और डॉक्टर से थाने जाकर एफआईआर दर्ज करने की बात कही। पुलिस ने की देर से कार्रवाई

डॉ. मोगरा ने खुद थाने पहुंचकर आवेदन दिया, लेकिन एफआईआर दर्ज होने में करीब दो घंटे का समय लगा। हालांकि, पुलिस ने अब तक कोई कड़ा कदम नहीं उठाया। डॉक्टरों का कहना है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन- इस घटना के बाद इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (इंदौर) के 60 से अधिक डॉक्टरों ने पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से मुलाकात की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी इस घटना का विरोध करते हुए पुलिस को ज्ञापन सौंपा। डॉक्टरों ने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।

इंदौर में जल्द चल सकती है मेट्रो ट्रेन, 24 और 25 मार्च को 5 स्टेशनों का होगा इंस्पेक्शन

इंदौर। मार्च अंत तक मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होने पर शहरवासियों को सफर करने का मौका मिल सकता है। इसके पहले कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी (सीएमआरएस) जनक कुमार गर्ग मेट्रो के निरीक्षण के लिए 24 मार्च को इंदौर पहुंचेंगे।

वे 24 व 25 मार्च को सुपर प्रायोरिटी कारिडोर के 5.9 किलोमीटर में बने पांचों मेट्रो स्टेशन का बारीकी से निरीक्षण करेंगे। वे इस हिस्से में मेट्रो के वायडक्ट पर ट्राली में बैठकर भी निरीक्षण करेंगे। 22 जनवरी को सीएमआरएस ने इंदौर में मेट्रो डिपो व कोच का निरीक्षण किया था। 80 किमी की रफ्तार से चलेगी मेट्रो

गांधीनगर मेट्रो स्टेशन से सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर-3 तक सफर उन्होंने डेढ़ घंटे में पूरा किया था। इस दौरान उन्होंने मेट्रो कोच के ब्रेकिंग सिस्टम का निरीक्षण किया था। इस बार सीएमआरएस मेट्रो कोच में बैठकर गति निरीक्षण भी करेंगे। इस दौरान मेट्रो कोच को तय स्पीड 80 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलाया जाएगा। सीएमआरएस व उनकी टीम के सदस्य कोच में यात्री सुरक्षा और तय स्पीड पर होने वाले कंपन की जांच भी करेंगे। प्लेटफार्म पर कोच के रुकने के दौरान उसके ब्रेकिंग सिस्टम को जांचा जाएगा। सीएमआरएस के इस निरीक्षण के बाद इंदौर मेट्रो में यात्रियों के सफर का राह का आगामी चरण शुरू होगा।

सीएमआरएस सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के पांचों स्टेशन का अलग-अलग निरीक्षण करेंगे। वे स्टेशन पर बने आपरेशन रूम, इलेक्ट्रिकल सेक्शन, प्लेटफार्म, लिफ्ट, एस्केलेटर सहित अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करेंगे।

राम कथा को लेकर गरमाई राजनीति, कांग्रेस नेता बोले-कथा बिक रही थी, सनातनी चुप रहे

इंदौर। इंदौर में आयोजित कवि कुमार विश्वास की राम कथा के लाखों रुपये के बकाया टैक्स को लेकर राजनीति गरमा गई है। नगर निगम के दोहरे मापदंड को लेकर कांग्रेस नेता अब सवाल उठा रहे है। उनका कहना है कि नगर पालिक निगम के नियम सबके लिए एक समान है। उसे व्यक्ति देखकर नहीं बदला जा सकता है। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने कहा कि राम कथा को इंदौर में बेचा जा रहा था तो सनातनी चुप क्यों बैठे थे। उसका खुलकर विरोध करना चाहिए। कथा के नाम पर दो से पांच हजार रुपये में कुर्सियां बेचना और फिर उसका टैक्स न चुकाना, उचित नहीं है। नगर निगम का दोहरा ठीक नहीं है। हनी सिंह के शो का टैक्स नहीं मिलने पर निगम ने महंगे उपकरण जब्त कर लिए थे, लेकिन कुमार विश्वास के आयोजन का टैक्स नहीं लिया गया। आपको बता दे कि इंदौर में दो दिन चली इस कथा में दो से पांच हजार रुपये तक के टिकट बेचे गए। कथा को सुनने हजारों लोग जुटे,लेकिन इस आयोजन को लेकर नगर निगम ने टैक्स के मामले में चुप्पी साधी।

इंदौर-बुधनी परियोजना खातेगांव-कन्नौद को भी जोड़ेगी

इंदौर। बुधनी रेल परियोजना का मुद्दा लोकसभा में उठा है। 342 किलोमीटर लंबी रेल लाइन परियोजना की वर्तमान स्थिति के बारे में लोकसभा में सांसद दर्शन सिंह चौधरी द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इंदौर (मांगलिया गांव) और बुदनी के बीच (205 किलोमीटर) नई रेल लाइन का कार्य 3261.82 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया है। मार्च-2024 तक 948.37 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके है। वर्ष 2024-25 के लिए इस परियोजना के लिए 1107.25 करोड़ रुपये का आवंटित किए गए है। गाडरवारा और बुदनी के बीच (137 किमी) काम आगे नहीं बढ़ाया जाना तर्क संगत नहीं हैं क्योंकि गाडरवारा से बुदनी दोनों

पहले से ही मौजूदा नेटवर्क के माध्यम से वाया इटारसी से जुड़े हुए हैं और दोनों स्थानों के बीच दूरी में कोई महत्वपूर्ण कमी नहीं आती है। इसलिए केवल इंदौर (मांगलिया गांव) और बुदनी के बीच नई रेल लाइन बिछाने का काम जारी है।

यह है इस प्रोजेक्ट से फायदा

इंदौर से मुंबई और दक्षिण भारत के यात्रा समय में कमी आएगी।

भोपाल और इटारसी के व्यस्त मार्ग (घाट सेक्शन- बुदनी से बरखेड़ा) को बायपास कर बुधनी को इंदौर से सीधे जोड़ना।

यह रेल लाइन बुधनी के मौजूदा यार्ड से शुरू होकर इंदौर के पास पश्चिम रेलवे के मांगलियागांव स्टेशन से जुड़ेगी।

रेल लाइन सीहोर, देवास एवं इंदौर जिलों को जोड़ेगी।

यह रेललाइन नसरुल्लागंज, खातेगांव और कन्नौद जैसे कस्बों/गांवों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जहां वर्तमान में कोई रेल संपर्क नहीं हैं।

औद्योगिक विकास, सामाजिक-आर्थिक, रोजगार सृजन और बेहतर परिवहन सुविधाओं के माध्यम से इस क्षेत्र का समग्र विकास होगा।

जापान में हुआ शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण, इंदौर की स्वाति ने निभाई खास भूमिका

इंदौर। जापान की राजधानी टोक्यो में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस आयोजन में अखिल भारतीय मराठा महासंघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वाति युवराज काशीद ने शिरकत की। उनके साथ इंदौर की ही मीरा प्रकाश कागदे भी इस ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनीं। पूरे मध्यप्रदेश से केवल यही दो महिलाएं थीं जिन्होंने इस गौरवपूर्ण आयोजन में हिस्सा लिया।

इंदौर में हुआ भव्य स्वागत- इस भव्य आयोजन में शामिल होकर स्वदेश लौटने पर इंदौर में एयरपोर्ट से लेकर राजमाता जिजाऊ चौराहे तक स्वाति युवराज काशीद का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सर्व मराठी संघ क्षत्रिय मराठा समाज, क्षत्रिय मराठा रविदास समाज, क्षत्रिय माली समाज, मेहर समाज, संस्था शिवराय, क्षत्रिय धनगर नवयुवक मंडल और क्षत्रिय धनगर सेवा संघ सहित सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे।

शिव स्वाभिमान रथ यात्रा का हिस्सा बनी प्रतिमा- इस प्रतिमा को पहले भारत में सातारा से दिल्ली तक इंडो-जापान शिव स्वाभिमान रथ यात्रा के अंतर्गत भ्रमण करवाया गया था। इस दौरान हजारों शिव भक्तों को छत्रपति शिवाजी महाराज के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके बाद प्रतिमा को जापान के टोक्यो में स्थापित किया गया, जो भारत के लिए गर्व का विषय है।

स्वाति युवराज काशीद का अनुभव- स्वाति युवराज काशीद ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की कृपा से ही वे इस ऐतिहासिक समारोह में हिस्सा ले सकीं।

अपराधियों को सजा दिलाकर पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अपराधियों को सजा दिलाकर पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। भोपाल के शाहजहांबाद में सितम्बर 2024 में हुई 5 साल की बच्ची के अपहरण - दुष्कर्म और हत्या के प्रकरण में, अपराधी को 3 प्रकरणों के आधार पर 3 बार फांसी की सजा मिली है, जो भविष्य में अपराध करने वालों के लिए मिसाल बनेगी। राज्य सरकार किसी भी अपराधी को छोड़ने वाली नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रकरण में हुई त्वरित कार्रवाई और माननीय न्यायालय द्वारा दिए निर्णय के संबंध में विचार व्यक्त कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जघन्य अपराध की व्यापक विवेचना के लिए राज्य सरकार ने स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया था। प्रकरण में न केवल अपराधी को पकड़ा गया अपितु तत्परता पूर्वक चालान पेश करवाया गया। इस प्रकरण की सुनवाई भी त्वरित रूप से हुई। माननीय न्यायाधीश ने जो फैसला दिया है उससे यह फैसला मिसाल बना है। यह फांसी की सजा सभी अपराधियों को सबक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रकरण में तत्परता पूर्वक कार्रवाई के लिए प्रशासन और पुलिस को बधाई दी है। उन्होंने न्यायालय द्वारा कम समय में संवेदनशीलता के साथ लिए गए निर्णय पर संतोष व्यक्त किया है।

गेर के रंग-गुलाल, थैलियां आदि के कचरे को नगर निगम के अमले ने मात्र 38 मिनट में किया साफ

इंदौर। इंदौर स्वच्छता में किस तरह नंबर वन है इसका एक नजारा आज फिर राजवाड़ा पर दिखाई दिया। रंग पंचमी के मौके पर राजवाड़ा क्षेत्र में निकली गेर में लगभग 5 लाख लोग शामिल हुए। इस दौरान राजवाड़ा क्षेत्र में रंग-गुलाल, चप्पल, जूते, प्लास्टिक की थैलियां, कपड़े आदि से कचरा और गंदगी हो गई थी। जब गेर समाप्त हुई तब

राजवाड़ा क्षेत्र में चारों ओर कचरा ही कचरा दिखाई दे रहा था। चारों ओर कचरा, जूते, चप्पल, कपड़े, प्लास्टिक की थैलियां, बोतले, धूल, मिट्टी पड़ी हुई थी। नगर निगम के अमले ने आज फिर से यहां की सफाई को चुनौती के रूप में लिया। नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा की देखरेख में मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अखिलेश उपाध्याय द्वारा राजवाड़ा क्षेत्र और आसपास की गलियों में सफाई का अभियान प्रारंभ किया गया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

तराना के तिल भांडेश्वर महादेव मन्दिर को धार्मिक केंद्र के रूप मे विकसित करेंगे- मुख्यमंत्री

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने तराना स्थित तिलभांडेश्व ं महादेव मन्दिर के महंताई कार्यक्रम श्री दश नाम जूना अखाड़ा के महंत श्री मोहन भारती महाराज की महंताई में भाग लेकर संबोधन करते हुए कहा कि विश्व में सनातन ही एकमात्र धर्म सनातन है. जो प्रकृति को सामाहित करता है.

यदि किसी व्यक्ति को सनातन को समझना है तो हमारे सनातन समाज के साधु संतों को देखें और उनकी दिनचर्या से अनुभव करें कि सनातन कितना विस्तृत है .

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि प्रदेश में गौशालाओं के लिए विशेष प्रावधान किया जा रहे हैं सभी गौशालाओं में एक गोवंश के लिए प्रतिदिन ?40 की अनुदान राशि दी जा रही है अब जो गोपालक जो 10 से अधिक गाय

पलेगा.उनको ?5 प्रति किलो दूध पर अनुदान भी दिया जाएगा 7

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने संतो की मांग पर घोषणा की तिल भांडेश्व ंमंदिर क्षेत्र का विकास किया जाएगा और इसको धार्मिक लोक के रूप में विकसित करेंगे .

मुख्यमंत्री ने कहा की साधु संत हमारे सनातन धर्म का अभिन्न अंग है और हमारे सनातन की धुरी है, हमारा सनातन धर्म सभी साधु संतों के सम्मान प्रतिष्ठा और उनके मार्गदर्शन में काम करता रहा है उज्जैन में भी सिहस्थ 2028 में सभी साधु संतों को मैं आमंत्रित करता हूं और आप सभी के आशीर्वाद से आप सभी की मांग पर उज्जैन में स्थाई प्रकृति के निर्माण कार्य र कर रहे है जिससे साधु संतों को सिहस्थ 2028 किसी प्रकार की कोई समस्या ना आए. मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने साधु संतों का आशीर्वाद लेते हुए कहा कि आपकी उपस्थिति हमें नई ऊर्जा से भर देती है ऐसा लगता है कि सदा आपके साथ ही रहे हैं आपके उच्च विचार, आदर्श कार्य शैली जो प्रकृति से जुड़ी है हम लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत होते हैं। आपके मार्गदर्शन में हम सिहस्थ 2028 में विशेष काम करेंगे और आपके आशीर्वाद से उज्जैन को धार्मिक संस्कृति के केंद्र के रूप में स्थापित करने का काम करेंगे, हमें आशा है कि आप सबके साथ हम सनातनी पताका को पूरे विश्व में लहराएंगे।

बसंत विहार कॉलोनी में नई समिति का गठन, राजेंद्र परब पुन: निर्विरोध अध्यक्ष बने

उज्जैन। बसंत विहार सांस्कृतिक मंच द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें द्विवार्षिक कार्यकारिणी वर्ष 2025 से 2027 तक का गठन निर्विरोध संपन्न हुआ। कॉलोनी की नई समिति का गठन हुआ जिसमें राजेंद्र परब को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

सैकड़ो की संख्या में मौजूद कॉलोनीवासियों की उपस्थिति में कार्यकारिणी में संरक्षक रमन सिंह सिकरवार, परामर्शदाता के सी शर्मा, अध्यक्ष राजेंद्र परब, उपाध्यक्ष दिलीप देवड़ा, उपाध्यक्ष प्रकाश जेठवानी, सचिव जी के जायसवाल, सहसचिव रमेश चंद्र कुमावत, सहसचिव नरेंद्र चौरसिया, कोषाध्यक्ष मुकेश कुम्भकार चुने गए। कार्यक्रम में विशेष सहयोग अशोक गुप्ता, लोकेंद्र सिंह बेस, दिनेश जैन, जे एस पांडे, एन के गर्ग, प्रशांत सोहले, सियाराम पाटीदार, संजय गुप्ता, लक्ष्मीकांत मिठ्ठन खेड़ीवाले, गोपाल महाकाल, वासुदेव सोनी, सुरेश चौधरी, जे पी शर्मा, जगदीश कुमावत, विजय प्रजापत, अनिल देशमुख, आर एल मालवीय, हरीश घाटगे, देवेंद्र राय, उल्हास बक्शी एवं संग्राम सिंह चौहान का रहा। संचालन अनिल रावेरकर ने किया एवं आभार विजय गोठवाल ने माना। हर्ष उल्लास के साथ मनाए उत्सव में ठंडाई वितरित की गई।

चन्द्रमणि श्री चन्दन बाला श्रीजी म.सा. के संयम स्वर्ण 50 वर्ष अनुमोदनार्थ जीवनदीप महिला विंग ने की सेवा

उज्जैन। विचक्षण ज्योति महामांगलिक प्रदात्री प्रवर्तिनी श्री चन्द्रप्रभा श्रीजी म.सा. की विदुषी शिष्या प्रखर व्याख्यात्री चन्द्रमणि श्री चन्दन बाला श्री जी म.सा. के संयम स्वर्ण 50 वर्ष अनुमोदनार्थ श्री जिन कुशल गुरु दादावाड़ी ट्रस्ट नागेश्वर तीर्थ द्वारा नित्य गौ माता सेवा में तिलकेश्वर गौशाला में जीवनदीप महिला विंग की सदस्यों द्वारा गौ माता को चारा आहार अर्पण किया गया।अशोक कोठारी एवं राजश्री कोठारी के सहयोग से उक्त सेवा कार्य किया गया।

श्री गुमानदेव हनुमान गढ़ी पर आज होगी वैदिक मंत्रों की अन्त्याक्षरी

उज्जैन। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, स्वराज संस्थान संचालनाय, संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत वैदिक मंत्रों की अंत्याक्षरी का आयोजन होगा।

कार्यक्रम संयोजक ज्यो पं चंदन श्यामनारायण व्यास ने बताया कि अनुष्ठान मंडपम ज्योतिष अकादमी द्वारा आज 21 मार्च शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से पिपलीनाका रोड स्थित श्री गुमानदेव हनुमान गढ़ी पर वैदिक मंत्रों की अन्त्याक्षरी आयोजित होगी। जिसमें शहर के सभी गुरुकुलो के छात्र शामिल होंगे। शुक्ल यजुर्वेद संहिता के मंत्रो पर आधारित वेद मंत्रों की अंत्याक्षरी होगी। अलग अलग गुरुकुल के समूह मंत्रो की अंत्याक्षरी करेंगे। वर्तमान समय में युवकों को वेद के प्रति समर्पित होने में सहायक होगी वेद अंत्याक्षरी।

भारतीय संस्कृति में गौरैया का गृह आगमन शुभ- प्रोफेसर श्रीवास्तव

विश्व गौरैया एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान

उज्जैन। विश्व गौरैया एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस पर प्राणिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन विक्रम विश्वविद्यालय की प्राणिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला में किया गया।

विभाग में डॉ. मनमोहन प्रकाश श्रीवास्तव, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणिशास्त्र विभाग, होलकर विज्ञान महाविद्यालय ने व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों से चर्चा की। अपने व्याख्यान में प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गौरैया बहुत जरूरी हैं, ये पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देती हैं और जैव विविधता को बढ़ाने में मदद करती हैं। उन्होंने बताया कि गौरैया की वजह से पर्यावरण स्वस्थ रहता है और कीड़ों की आबादी नियंत्रण में रहती है।

गौरैया का सांस्कृतिक महत्व भी है इसे कई संस्कृतियों में प्रतीकात्मक पक्षी माना गया है। ग्रीक पौराणिक कथाओं में गौरैया को प्रेम और अपने परिवार के प्रति समर्पण का प्रतीक माना गया है, बाइबिल में इसे ईश्वर का प्रतीक माना गया है और हिन्दू मान्यता के अनुसार गौरैया का गृह आगमन शुभता का सूचक है।

अपनी बात को बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि ये अति विशिष्ट एवं खूबसूरत संयोग है कि विश्व गौरैया दिवस और प्रसन्नता दिवस साथ में हैं, क्योंकि पक्षी प्रकृति का एक अभिन्न अंग है और इन्हें देख कर प्रसन्नता एवं सुख की अनुभूति होती है किन्तु इस प्रसन्नता को बनाए रखने के लिए गौरैया का संरक्षण आवश्यक है।

इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने बताया कि गौरैया की घटती संख्या को रोकने के लिए हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा जैव विविधता के संरक्षण का महत्व समझना हमारी युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है ताकि वे इसकी संरक्षण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। युवाओं से संवाद स्थापित करते हुए कुलगुरु ने कहा कि आज के युवा के लिए लाईफ स्टाईल को देखते हुए ये अत्यंत आवश्यक हो गया है कि वह प्रसन्न रहे, अगर युवा स्वयं प्रसन्न रहेगा तभी वो प्रसन्नता बाट पाएगा और अपने शिक्षण एवं शोध में रचनात्मकता ला पाएगा। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कुलपति ने उन्हें ऐसे कार्य करने के लिए निर्देशित किया जिससे उनके शरीर में हैप्पी हार्मोन बने और वे इस हैप्पीनेस को आगे बाट पाए। इस अवसर पर विभागाध्य डॉ सलिल सिंह के साथ विभाग के शिक्षक डॉ संतोष कुमार ठाकुर, डॉ स्मिता सोलंकी, डॉ गरिमा शर्मा, डॉ शिवी भसीन एवं डॉ शीतल चौहान ने प्रोफेसर श्रीवास्तव और कुलगुरु को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन समर्थ खरे ने किया एवं आभार डॉ पूर्णिमा त्रिपाठी ने माना।

22 मार्च को श्री विजय हीर सूरिश्वरजी बड़ा उपाश्रय खाराकुआ से निकलेगी रथयात्रा

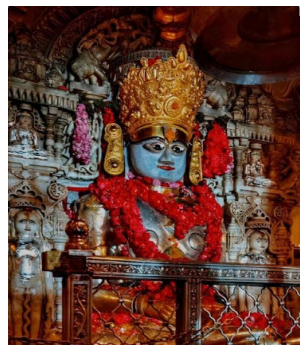

उज्जैन। अखिल भारतीय श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक महासंघ उज्जैन इकाई द्वारा भगवान श्री आदिनाथ जन्म कल्याणक एवं दीक्षा दिवस महामहोत्सव चैत्र बिदी अष्टमी पर विशाल मंगल रथ यात्रा 22 मार्च शनिवार को प्रातः 8.30 बजे श्री विजय हीर सूरिश्वरजी बड़ा उपाश्रय खाराकुआ से निकलेगी।

रितेश खाबिया, प्रकाश गांधी, राहुल सराफ ने बताया कि रथयात्रा श्री विजय हीर सूरिश्वरजी बड़ा उपाश्रय खाराकुआ से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री सिद्ध चक्र आराधना केसरियानाथ तीर्थ खाराकुआं पेढी पहुंचेगी। जहां साध्वीश्री अमितगुणा श्रीजी, अमीझरा श्रीजी, साध्वी अर्चना श्रीजी आदि ठाणा की पावन निश्रा में धर्मसभा होगी। धर्मसभा के पश्चात सुबह 11.30 बजे से रंगमहल धर्मशाला, नईपेठ पर स्वामी वात्सल्य का आयोजन होगा। विनोद बरबोटा, अजेश कोठारी, नरेंद्र बाफना, अभय जैन भैया, प्रसन्ना जैन, प्रकाश गांधी, रितेश खाबिया, अनिल कंकरेचा, राजेश पटनी, हेमंत पावेचा, अश्विन मेहता, राहुल सराफ, राहुल कटारिया, नितेश नहटा, ललित कोठारी, संजय जैन खलीवाला, राजेश जैन, जयेश सेलवाडिया, संजय जैन, सुनील जैन, विजय जैन, अनुपम कंकरेचा, गोलू सुराणा, पुनीत जैन, रजत मेहता, संजय कोठारी, श्रीपाल राजावत, दिलीप मेहता, प्रीतेश लुक्कड़, दीपक डगरिया, संजय गिरिया, सोहन आचलिया, देवेंद्र कोठारी, प्रमोद जैन, राजेश जैन राजू, सौरभ जैन, अमित भंसाली, विमल भंडारी सहित अ.भा. श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ उज्जैन इकाई ने समस्त समाजजनों से कार्यक्रम में सम्मिलित होकर जिन शासन की शोभा बढ़ाने का अनुरोध किया है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com